शुगर फ्यूचर्स पर 50% के पार जा सकता है ट्रेडिंग मार्जिन

फ्रंट मंथ फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट 3,665 रुपये प्रति क्विंटल के लो से 14 सितंबर तक आठ सत्र में 6.5% बढ़ा है

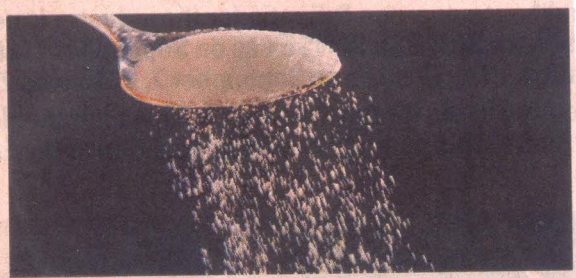

[राम सहगल | मुंबई]

मार्केट रेगुलेटर सेबी एग्री एक्सचेंज एनसीडीईएक्स को शुगर पर ट्रेडिंग मार्जिन को और बढ़ाने का निर्देश दे सकता है। इस कदम का मकसद शुगर कॉन्ट्रैक्ट में चल रही सट्टेबाजी पर लगाम लगाना है ताकि शुगर की कीमतों में आ रही तेजी को रोका जा सके। मामले की जानकारी रखने वाले एक शख्स ने इकनॉमिक टाइम्स को यह जानकारी दी है। फ्रंट मंथ फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स 3,665 रुपये प्रति क्विंटल के लो से 14 सितंबर तक आठ सत्र में 6.5 फीसदी बढ़ा है।

एक सूत्र ने बताया, 'इस हफ्ते मार्जिन में संशोधन हो सकता है। शुगर फ्यूचर्स पर बैन लगाने की फिलहाल कोई योजना नहीं है।' सेबी और एनसीडीईएक्स अधिकारियों से इस बारे में कमेंट नहीं मिल सका है। यह मामला राजनीतिक रूप से भी संवेदनशील है क्योंकि फेस्टिवल सीजन शुरू होने वाला है और केंद्र की नजर अगले साल होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव पर टिकी हुई है।

हालांकि, कंज्यूमर फूड प्राइस इन्फ्लेशन अगस्त में एक महीने पहले के मुकाबले 0.6 फीसदी गिरी है, लेकिन शुगर और कन्फेक्शनरी प्राइस इन्फ्लेशन में 1.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। रेगुलेटर के कहने पर एनसीडीईएक्स ने 10 अगस्त को मार्जिन ऑन लॉन्ग्स (बायर्स) 20 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी से अधिक कर दिया था। मार्जिन ऑन शॉर्ट्स (सेलर्स) को 5 फीसदी बढ़ाकर करीब 20 फीसदी किया गया था। ऐसा सट्टेबाजी कम करने के लिए किया गया। रेटिंग एजेंसी केयर के चीफ इकनॉमिस्ट मदन सबनवीस के मुताबिक, 'मार्जिन बढ़ाने, पोजीशंस लिमिट घटाने, स्टॉक लिमिट लगाने जैसे रेगुलेटरी टूल्स का इस्तेमाल स्पॉट कीमतों में तेजी आने के दौरान सट्टेबाजी को रोकने के लिए किया जाता है। हालांकि, अगर इनसे भी कीमतों पर कंट्रोल नहीं हो पाता है, तो बैन लगाना ही विकल्प बचता है।' सबनवीस इससे पहले एनसीडीईएक्स के चीफ इकनॉमिस्ट रह चुके हैं।

शुगर पर ट्रेडिंग मार्जिन बढ़ाने का मकसद शुगर कॉन्ट्रैक्ट में चल रही सट्टेबाजी पर लगाम लगाना है ताकि शुगर की कीमतों में आ रही तेजी को रोका जा सके

जियोफिन कॉमट्रेड के कमोडिटी डेस्क के हेड विरल शाह ने कहा कि मार्जिन बढ़ाने से एक तरह से कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो जाएंगे। उन्होंने कहा, 'अगर मार्जिन बढ़ाया जाता है, मान लीजिए 75 फीसदी, तो पार्टिसिपेंट इसे स्पॉट मार्केट से खरीद लेगा।'

एनसीडीईएक्स पर सभी शुगर कॉन्ट्रैक्ट्स में ओपन इंटरेस्ट या डिलीवरेबल क्वांटिटी मामूली 28,000 टन है, जबकि इस शुगर सीजन में प्रॉडक्शन का अनुमान 2.33 करोड़ टन का है। यह गिरावट 2011 के रेगुलेटरी एक्शन की वजह से है, जिसमें जमाखोरी को रोकने के लिए स्टॉक लिमिट्स लगाई गई थीं। 500 टन की डिलीवरी की स्टॉक लिमिट इस साल भी फ्यूचर्स मार्केट पर लागू थी। ऐसे में कोई क्लाइंट नियर मंथ कॉन्ट्रैक्ट में 20,000 टन की पोजीशन ले सकता है, लेकिन वह केवल 500 टन की डिलीवरी ले या दे सकता है।